

डॉ. जोनाथन ग्रीर, पुरातत्व और पुराना नियम, सत्र 2, पुरातत्व पद्धतियाँ

© 2024 जोनाथन ग्रीर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम में पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जोनाथन ग्रीर हैं। यह सत्र 2, पुरातात्विक पद्धतियाँ है।

फिर से हैलो। हम इस व्याख्यान में पुरातात्विक पद्धतियों के बारे में बात करने जा रहे हैं। और इससे पहले कि हम वास्तव में मिट्टी में फावड़ा डालें, हमें याद रखना होगा, हमें वापस जूम आउट करना होगा और हम कहां हैं, भूमि की भूगोल की बड़ी तस्वीर याद रखना होगा। अब, यह एक पूरी तरह से आत्मनिर्भर उप-अनुशासन है कि हम ऐतिहासिक भूगोल के अभ्यास पर एक संपूर्ण व्याख्यान श्रृंखला कर सकते हैं जिसमें भाषाविज्ञान, भूगोल उचित, जल विज्ञान और परिदृश्य को समझना शामिल है।

और इसलिए, हम केवल इस बड़ी तस्वीर के साथ इसमें अपना पैर डुबाने जा रहे हैं कि प्राचीन इजराइल इस भूमि पर क्यों है। इसलिए, यदि हम सभ्यताओं 101 के बारे में सोचते हैं, तो आपको यह जूनियर हाई से याद हो सकता है। आपने नदी संस्कृतियों और लगभग 3000 ईसा पूर्व में सभ्यता के उदय के बारे में सीखा होगा।

और यह प्राचीन निकट पूर्व में दो स्थानों पर हुआ, मिस्र में और मेसोपोटामिया घाटी में। एक तीसरी नदी संस्कृति है, हड़प्पा घाटी, जिसने पूर्वी सभ्यताओं को जन्म दिया जो हमारे दायरे से बाहर है। लेकिन दक्षिणी लेवन्त के लिए, नदी संस्कृतियों के दो प्राथमिक केंद्र मिस्र और मेसोपोटामिया हैं।

और नदी संस्कृति की सुंदरता यह है कि आप जितना खा सकते हैं उससे अधिक भोजन उगा सकते हैं। इसलिए, यदि आपके पास भोजन की अधिकता है, तो उसे दो मुख्य तंत्रों के माध्यम से शक्ति में परिवर्तित किया जा सकता है। तो, एक तो आप संसाधनों के बदले अपने अतिरिक्त भोजन का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

यदि आप कुछ लोगों को खाना खिला सकते हैं और उन्हें भोजन इकट्ठा करने में अपना समय बर्बाद नहीं करना पड़ता है, तो आप एक विशेष अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ सकते हैं। या आप, चीजों के हिंसक अंत पर, अन्य लोगों से चीजें चुराने के लिए एक सेना को खिला सकते हैं। तो, यही कारण है कि इन नदी संस्कृतियों का लंबा इतिहास है।

तो मिस्र और मेसोपोटामिया दोनों, यहीं हमें सभ्यता के इन क्षेत्रों में अपना पहला साक्ष्य मिलता है। और फिर वे भूमि के बड़े इतिहास में कई बार उठे और गिरे। हमारे पास दो प्राकृतिक भौगोलिक विशेषताएं भी हैं जो इन नदी संस्कृतियों के बीच किसी भी यातायात को बढ़ावा देती हैं।

और वह पूर्वी रेगिस्तान, पूर्व में सीरियाई रेगिस्तान और पश्चिम में भूमध्य सागर होगा। इसलिए, इस क्षेत्र को जिम मोनसन और जेरूसलम यूनिवर्सिटी कॉलेज में उनका अनुसरण करने वाले

कई लोगों द्वारा बीच की भूमि, बीच की भूमि के रूप में उचित रूप से करार दिया गया है। और मुझे यह पदनाम पसंद है क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि यह महाशक्तियों के बीच की भूमि है, लेकिन यह रेगिस्तान और समुद्र के बीच की भूमि भी है।

और इसलिए, बाइबिल में जो इतिहास चलता है, उसकी बड़ी तस्वीर तय होती है, अगर हम इतिहास की लंबी अवधि को देखें, तो हम यातायात के उतार-चढ़ाव को देखते हैं जो इस भूमि के बीच चलता है। हम इस क्षेत्र को लेवांत भी कहते हैं, लेकिन कुछ लोग कहेंगे कि यह पश्चिमी दृष्टिकोण को धोखा देता है। उदय से लेवांत, सूर्य का उदय केवल पूर्व से परिप्रेक्ष्य है।

अन्य लोग इसके बारे में भूगर्भिक संदर्भ में बात करेंगे, जहां तक कि प्लेटों और सीरिया और फ़िलिस्तीन की बात है। लेकिन इस भूमि में, बाइबिल की घटनाएँ घटित होती हैं। तो, आप देख सकते हैं कि मैंने वहां तीर खींचे हैं जो इंगित करते हैं कि इन देशों में हमारे बीच बहुत संघर्ष है।

यह हमें याद दिलाता है कि जब हम बाइबिल की कहानी में इन महाशक्तियों का सामना करते हैं, तो इन भूमियों में उनकी रुचि का मुख्य कारण इन शक्ति गतिशीलता, उनके प्रभाव का विस्तार करना और अंततः व्यापार और वाणिज्य के इन मार्गों पर हावी होना है। क्योंकि यदि आप टोल बूथों और होटलों को नियंत्रित करते हैं, तो आप यात्रा करने वाले लोगों का सारा पैसा कमा सकते हैं। तो यह प्राचीन निकट पूर्व के भूगोल की बड़ी तस्वीर है क्योंकि यह हमारी कहानी से संबंधित है।

और फिर, बाइबिल की भूमि के भीतर, अब इज़राइल, फिलिस्तीन, जॉर्डन, लेबनान के कुछ हिस्से और मिस्र, हमारे पास अनुदैर्घ्य क्षेत्र हैं। हमारे पास एक तटीय मैदान है; हमारे पास केंद्रीय पहाड़ी देश है, और उनके बीच, दक्षिण में, शेफेला की निचली पहाड़ियों का एक छोटा सा बफर जोन है। और फिर हम ग्रेट रिफ्ट वैली, जॉर्डन वैली और फिर ट्रंसजॉर्डनियन पठार पर उतरते हैं।

जैसे-जैसे हम उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ते हैं, हमें जलवायु और मौसम में भी अंतर दिखाई देता है। आम तौर पर, उत्तर में बहुत अधिक वर्षा होती है और दक्षिण में नेगेव में बहुत कम वर्षा होती है, जहां प्रति वर्ष शून्य से दो इंच वर्षा होती है। और प्रत्येक जनवरी वार्षिक यात्राओं में से एक है जिसका मैं और मेरी पत्नी नेतृत्व करते हैं।

हम मज़ाक करते हैं कि हम अक्सर उस दिन वहां गए हैं जहां नेगेव में जनवरी में वे सभी दो इंच एक ही समय में गिरते हैं। लेकिन जब हम भूगोल को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि इन साम्राज्यों के बीच संघर्ष के बिंदु हैं, और वे विनाश के तथ्य में अवशेष छोड़ जाते हैं। हमारे यहां भी भूकंप आते हैं।

समय के साथ हमारे यहां प्राकृतिक परित्याग भी होता है। ये अधिकांश स्थान उपलब्ध कराते हैं जहां हम खुदाई करेंगे और मानव जाति के अतीत के भौतिक अवशेषों की तलाश करेंगे। तो, हम क्षेत्र में क्या करते हैं? हम मैदान में क्या करते हैं? खैर, पहली बात क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में संलग्न होना है।

और बाइबिल आधारित भूमियों में दशकों लंबे सर्वेक्षण हुए हैं जो मूल रूप से पूरी भूमि पर चलते हैं और सतह से मिट्टी के बर्तन उठाते हैं। खुदाई नहीं। कभी-कभी, वे केवल एक ही फावड़ा चलाएंगे।

बस इतनी ही अनुमति है, एक फावड़ा परीक्षण गड्ढा। लेकिन बस भूमि की सतह पर जाकर, इस भूगोल के बारे में जिसके बारे में हमने बात की है, और मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े इकट्ठा करना। और हम यहां कुछ बुलेट बिंदुओं में सीखेंगे कि मिट्टी के बर्तन हमारे सापेक्ष डेटिंग का सबसे अच्छा संकेतक हैं क्योंकि मिट्टी के बर्तन समय के साथ शैली में बदलते हैं।

इसलिए, प्राचीन स्थलों की सतह पर बिखरे हुए मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों की समय अवधि का आकलन करके, हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि समय के लंबे इतिहास में इस स्थल पर कब कब्जा था। अब, यह अजीब लगता है, ठीक है, मिट्टी के बर्तन सभ्यता की प्रत्येक परत से सतह तक कैसे पहुंचते हैं? लेकिन हमें इतना सर्वेक्षण डेटा मिलता है, जब हम वास्तव में प्राचीन शहर के अवशेषों की खुदाई करते हैं, तो हम पाते हैं कि सतह के मिट्टी के बर्तन वास्तव में दर्शाते हैं, किसी भी प्रकार के प्रतिशत में नहीं कि कब्जा कितना लंबा या कितना गहन है। , लेकिन यह हमें एक सामान्य समझ दे सकता है कि क्या वहां कांस्य युग या लौह युग या बीजान्टिन काल वगैरह में लोग थे।

इसलिए, पिछले कुछ दशकों में अधिकांश भूमि पर सतही सर्वेक्षण हुए हैं और यह संकेत दे सकते हैं कि कब बस्तियों की संख्या में वृद्धि और गिरावट हुई है। इसलिए, यह साइट पर बसावट की तीव्रता के बारे में कुछ नहीं कहता है, लेकिन इसमें लौह युग की साइटों की तुलना कांस्य युग की साइटों से करने के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। इसलिए, यह बाद में हमारी चर्चा में महत्वपूर्ण हो जाएगा।

लेकिन यह इस बात की पहचान करने में पहला कदम है कि साइटें कहां हैं और किस अवधि में किन साइटों पर कब्जा किया गया था। फिर हम इसे अगले चरण पर ले जा सकते हैं, जो साइट की पहचान है। यह ऐतिहासिक भूगोल का क्षेत्र है जो बाइबिल और अन्य प्राचीन अभिलेखों को ले जाएगा, जैसे यूसेबियस ओनोमैस्टिकॉन, बहुत बाद के समय के स्थानों के नामों की एक सूची जो एक दूसरे से साइटों के सापेक्ष स्थान का कुछ संकेत दे सकती है। लिखने का समय।

हमारे पास उन महाशक्तियों के रिकॉर्ड भी हैं जो साइटों के ऑर्डर और उनकी विजय सूचियों वगैरह से संबंधित हैं। फिर हमारे पास समृद्ध बाइबिल डेटा, जनजातीय सीमाएँ और प्रशासनिक सूचियाँ हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से और इनमें सूचीबद्ध स्थलों की पहचान करना और कभी-कभी, जैसे कि टेल डैन, आप एक शिलालेख प्राप्त कर सकते हैं जो वास्तव में उस साइट के नाम का उल्लेख करता है जो उस पहचान की पुष्टि करता है जिसे आपने जोड़ा है। प्राचीन ग्रंथों और भूगोल के विश्लेषण के माध्यम से।

एक बार जब किसी साइट की पहचान हो जाती है, और कभी-कभी यह अज्ञात हो जाती है और हम किसी भी तरह खुदाई करने का निर्णय लेते हैं, तो हम दूरभाष उत्खनन में संलग्न हो जाते हैं।

हिब्रू में दो एल और एक एल, क्षमा करें, हिब्रू में एक एल और अरबी में दो एल, क्योंकि हम दोनों को अंग्रेजी में लिप्यंतरित करते हैं। टेल क्या है ? इसलिए, मैंने आपके लिए कुछ बहुत ही परिष्कृत एनीमेशन को एक साथ रखा है ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि टेल क्या है।

तो, आप निर्णय कर सकते हैं कि क्या मेरा कोई भविष्य है जो बाइबिल में विफल है और यदि आपके पास एक प्राचीन शहर है, और प्राचीन काल में प्राचीन शहरों को पहले उनकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर चुना गया था। तो, वे हमेशा पानी के बारे में सोचना चाहते हैं। तो, ऐसे प्राचीन स्थल हैं जो जलमार्गों से बहुत दूर हैं जहाँ पानी को दूर से खींचना पड़ता है या बाद के समय में पाइप से लाना पड़ता है।

लेकिन हमारी अधिकांश बस्तियों, सबसे बड़ी और सबसे स्थायी बस्तियों के पास अपना जल स्रोत है। वह पानी हो सकता है जो एक प्राकृतिक कुआँ या प्राकृतिक झरना या एक कुआँ हो, या हमारे पास कुंड, बड़ी गुफाएँ भी हैं जो वर्षा जल को इकट्ठा करने के लिए चूना पत्थर से बनाई गई हैं जिन्हें पूरे वर्ष ग्रहण किया जा सकता है। लेकिन हमारे पास एक जल स्रोत है, और इसलिए प्राचीन लोग उस जल स्रोत के पास बसेंगे, और फिर सड़कें इन प्राचीन बस्तियों को जोड़ देंगी।

तो, इसे एक प्राचीन बस्ती के रूप में सोचें जहां हमारे पास भयानक आग है। अब, यह एक सौम्य चित्रण है। हर कोई बाहर निकल गया, और वे सभी ठीक थे, लेकिन पूरा शहर आग की लपटों में घिर गया, और इसने इस बड़े नष्ट राख के ढेर को छोड़ दिया।

अब, हम आधुनिक शब्दों में सोचते हैं कि यदि ऐसा कभी हुआ, तो हम शायद पूरे स्थान को साफ़ कर देंगे, एक नई नींव खोदेंगे, और पुनर्निर्माण शुरू करेंगे। खैर, प्राचीन समय में, वे ऐसा कभी नहीं करते थे। सबसे पहले, वे वहां से नहीं जा रहे हैं क्योंकि पानी वहां है और सड़क वहां है, इसलिए वे यह स्थान चाहते हैं।

और फिर लकड़ी और पत्थर, आपके पास पत्थर के ब्लॉक हैं जो पहले से ही तराशे गए हैं, पहले से ही तराशे गए हैं। और इन भूमियों में लकड़ी बहुत, बहुत दुर्लभ है। सबसे अच्छे जंगल उत्तर में फ़ीनिशिया, जो अब लेबनान है, में थे।

और इसलिए, वे किसी भी इमारती लकड़ी, किसी भी ब्लॉक, जिसे वे कर सकते थे, किसी भी सामग्री का पुनः उपयोग करेंगे। तो, वे वस्तुतः राख से ही निर्माण करते हैं, वे बिल्कुल उसी स्थान पर एक और शहर का पुनर्निर्माण करते हैं। बिल्कुल वही जगह.

अब हम आगे बढ़ रहे हैं, यह कई साल बाद हो सकता है, यह एक दशक बाद हो सकता है। और फिर, मान लीजिए कि भूकंप आया है। और फिर, सभी ने इसे ठीक से पूरा कर लिया, हर कोई ठीक है, लेकिन शहर खंडहर हो गया है और इसने उस पहली परत के ठीक ऊपर एक और नष्ट परत छोड़ दी है।

और क्या? वे उस नष्ट हुए शहर के अवशेषों से एक और शहर बनाते हैं, अभी भी पानी के पास, अभी भी सड़क के पास। और इसे समय के साथ छोड़ दिया गया था, और इसलिए रेत अंदर चली

जाती है, गंदगी जमा हो जाती है, शायद वे बाढ़ घाटी के पास होते हैं, चीजें बह जाती हैं। और हमारे पास इस शहर के अवशेष हैं जिन्हें ठीक समय पर छोड़ दिया गया है।

और क्या? वे ठीक उसी स्थान पर एक और शहर बनाते हैं, और क्या सोचते हैं? यह भी आग से नष्ट हो गया है। सभी ने इसे समझ लिया, लेकिन यह सिर्फ आग है क्योंकि मुझे लगा कि यह स्लाइड ट्रांज़िशन में सबसे अच्छा स्वचालन था। लेकिन अब हमारे सामने सभ्यता पर सभ्यता की विभिन्न परतों का प्रभाव है।

बर्बाद शहर पर बर्बाद शहर. इसे हम टेल कहते हैं, एक कृत्रिम टीला जो बर्बाद शहर पर बर्बाद शहर का प्रतिनिधित्व करता है। प्राचीन निकट पूर्व में किसी भी यात्रा के दौरान, आप इन्हें परिदृश्य पर अंकित होते हुए देखेंगे।

वे संयुक्त राज्य अमेरिका में लैंडफिल के समान हैं, लेकिन वे आमतौर पर पेड़ों के पीछे छिपे होते हैं। लेकिन यहां आप पूरे प्राचीन निकट पूर्व में इन टीलों को देख सकते हैं। अब, हम किसी बात को कैसे समझें और डेटिंग कैसे करें? खैर, रहस्य उन भौतिक कलाकृतियों में छिपा है जो प्रत्येक विनाश परत से जुड़ी हैं।

तो यहां मैंने एक कटोरा, एक जग, और एक तेल के दीपक का एक विहंगम दृश्य रखा है, जहां वे बाती, थोड़ा सा तेल डालते हैं, और ये प्राचीन दुनिया की रोशनी थीं। तो, मान लीजिए कि इस पहले स्तर में कटोरे इस तरह दिखते हैं, जग ऐसे दिखते हैं, और तेल के लैंप ऐसे दिखते हैं। खैर, फिर, अगले स्तर में, हम देख सकते हैं कि इनमें से प्रत्येक जहाज में एक शैलीगत परिवर्तन है।

एक आधुनिक उदाहरण जिसके बारे में हम सोच सकते हैं वह कोका-कोला कंटेनर होगा। तो 60 के दशक में, आपके पास ये कोका-कोला की बोतलें, कांच की बोतलें थीं, और आज भी दुनिया के कुछ हिस्सों में उपयोग की जाती हैं, लेकिन वापस लायी जाती हैं, पुनर्चक्रित की जाती हैं, और कोका-कोला से भर दी जाती हैं। फिर, 70 के दशक में, वे इस एल्यूमीनियम कैन को लाए जिसमें ये बहुत खतरनाक पुल टैब थे, बहुत मोटे, कठोर किनारे, और फिर 80 के दशक में, वे एक पतले एल्यूमीनियम में चले गए और फिर एक सुरक्षित पुल टैब के लिए एक पतला शीर्ष पर ले आए जो बिल्कुल दूर नहीं आया।

और फिर, 90 के दशक में, प्लास्टिक की बोतलें, और इसलिए आप जमीन में खुदाई कर सकते थे और कोका-कोला कंटेनर पा सकते थे, और आप शायद मुझे बहुत अच्छी तरह से बता सकते हैं कि यह जमा कोका की शैली में बदलाव के कारण किस दशक में किया गया था। -कोला पोत. और फिर आपके पास निश्चित रूप से कुछ जटिलताएँ हैं, क्योंकि क्रिसमस के समय के दौरान, वे पारंपरिक कोक की बोतलें वापस ला सकते हैं, इत्यादि। एक संग्राहक उसे छिपाकर रख सकता है, यदि वह जमा राशि में है तो यह भ्रमित करने वाला हो सकता है।

हमारे पास पुरातत्व में भी इस प्रकार की चीजें हैं। लेकिन आप विचार समझ गये। समय के साथ, जहाज़ की शैली बदल जाती है।

इससे हमें सापेक्ष कालक्रम का अंदाज़ा मिल सकता है - पोट शैली में यह परिवर्तन। अब, हम परतों की तारीख कैसे तय करेंगे? इसलिए सापेक्ष डेटिंग, हम कह सकते हैं कि यह स्तर पहले है, इस स्तर से पहले का समय है।

सरल सुपरपोजिशन, एक शब्द जिसे हम भूविज्ञान से उधार ले सकते हैं जो कहता है कि पहले की चीजें नवीनतम चीजों की तुलना में अधिक गहरी हैं। लेकिन हम जानते हैं कि यह इतना आसान नहीं है। तो, हम सभी को लेयर केक प्रभाव पसंद है, और इससे आपको अंदाजा हो जाता है कि यह कैसे काम करता है।

लेकिन वास्तव में, लोग खाइयाँ, नींव, कब्रें खोद रहे हैं। वे बाद की समयावधियों से सामग्री का पुनः उपयोग कर रहे हैं और इसे बाद की परतों में डाल रहे हैं। या जब वे गड्ढा खोद रहे होते हैं, तो वे उस पुरानी सामग्री को नवीनतम सामग्री के ऊपर रख रहे होते हैं।

व्यवहार में, यह कहीं अधिक जटिल है। लेकिन सामान्य तौर पर, हम अन्य सामग्री के संबंध में इसकी गहराई के आधार पर सापेक्ष कालक्रम प्रदर्शित करते हैं। तो यह सापेक्ष डेटिंग है।

अब पूर्ण डेटिंग के लिए, हमारे पास अलग-अलग विधियाँ हैं जो विशेष परतों में कालानुक्रमिक आधार डालने का प्रयास कर सकती हैं, या पुरातात्विक शब्द स्तर है। तो, एक स्टेटम एक विशेष समय अवधि से सामग्री, वास्तुशिल्प अवशेषों और सामग्री अवशेषों की एक व्यक्तिगत परत है। इसलिए, हम विभिन्न स्तरों को देख सकते हैं और अपने सापेक्ष कालक्रम के साथ तारीख तय करने में मदद के लिए कालानुक्रमिक आधारों को जोड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

अब, हमारा सबसे अच्छा कठिन विज्ञान एंकर जो दक्षिणी लेवंत के पुरातत्व में अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है वह रेडियोकार्बन डेटिंग है, जो विशेष तत्वों के आधे जीवन को देखता है जिन्हें पेड़ के छल्ले के खिलाफ कैलिब्रेट किया जाता है और समय में वापस जा रहा है जैसा कि हम वर्षों के बारे में सोचते हैं, इतिहास में वर्षों को दर्ज करने में सक्षम। अब, यहां तक कि, बहुत अधिक गुंजाइश है जो आसानी से 50 से 75 हो सकती है, यदि अधिक नहीं, तो त्रुटि की सीमा जिसने 10वीं शताब्दी से संबंधित तथाकथित बाइबिल पुरातत्व में व्याप्त बहसों में से एक में कुछ बड़ी जटिलताएं पैदा की हैं। और एक तथाकथित संयुक्त राजशाही का अस्तित्व। तो, हम इसके बारे में भविष्य में बात करेंगे, लेकिन रेडियोकार्बन डेटिंग और हमारे पास जितने अधिक नमूने होंगे जिन्हें प्लॉट और क्लस्टर किया जा सकता है, हम इनमें से प्रत्येक परत की पूर्ण तिथि का बेहतर विचार प्राप्त कर सकते हैं।

और फिर हम जो कर सकते हैं वह एक साइट की परतों की तुलना अन्य साइटों की परतों से करना है। इसलिए, हम इसे सतही सर्वेक्षणों से एकत्र किए गए डेटा के साथ जोड़ना शुरू कर सकते हैं और निश्चित समय के दौरान कब्जे का पुनर्निर्माण करना शुरू कर सकते हैं। हम सभ्यता में परिवर्तन की प्रवृत्तियों का भी पता लगा सकते हैं।

क्या वहां बहुत सारे लोग थे, कम लोग? क्या हम जनसंख्या में बदलाव देखते हैं? क्या हम इन्हें विदेशी शक्तियों के ऐतिहासिक सैन्य अभियानों से जोड़ सकते हैं? आगे और आगे की ओर। यह सब, फिर से, अविश्वसनीय रूप से जटिल है, लेकिन आपको यह अंदाज़ा हो जाएगा कि कोई इन

सवाल को कैसे पूछता है। ठोस वैज्ञानिक डेटा के अलावा, हम पुरालेख अवशेषों और लिखित अवशेषों का भी उपयोग कर सकते हैं जब वे हमारे पास हों।

इसलिए, बाद की अवधि में, हम उन सिक्कों का उपयोग कर सकते हैं जिन पर तारीख अंकित है। खैर, उनके पास तारीख नहीं है, लेकिन विशेष शासक है जिसे हमने राजा सूचियों के आधार पर एक विशेष तारीख पर वापस जाने के लिए कालक्रम के साथ पुनर्निर्मित किया है जिसे हम समन्वयित कर सकते हैं। हमारे पास मिस्र के स्कारब भी काम कर रहे हैं, जो भृंग के आकार के होते हैं और नीचे एक शिलालेख होता है जिसमें अक्सर एक विशेष फिरौन का उल्लेख होता है।

हालाँकि, ये जटिल हो सकते हैं, क्योंकि इन्हें कभी-कभी पीढ़ियों तक रखा जाता था। यदि उन्हें लेवेंट से द्वितीय रूप से प्राप्त किया गया है तो वे देखने में काफी अच्छे और आकर्षक हैं। तो, ये कभी-कभी चल सकता है।

इसलिए, वे डेटिंग की केवल एक दिशा में ही हमारी मदद कर सकते हैं। इसलिए, हमारे पास कुछ चीजें हैं जिन्हें हम पूर्ण तिथियों को निर्धारित करने और सापेक्ष डेटिंग के लिए अपने डेटा के साथ समन्वयित करने के लिए लागू कर सकते हैं। तो यह थोड़ा सा है कि बताना क्या है और हम किस तरह डेट करेंगे, यह उस बयान से तय होता है।

अगली चीज़ जब हमें जानकारी मिल जाती है तो उस जानकारी के माध्यम से खुदाई शुरू करना है। कभी-कभी, टेल रेहोव से यहां एक बड़ी खाई के साथ ऐसा किया जाता है, जहां मैं 2007 में एक स्वयंसेवक के रूप में था। और आप खाई के भीतर भी देख सकते हैं, विभिन्न स्थानों के पदनाम हैं।

आप वास्तुशिल्प विशेषताएं, एक पत्थर की नींव देख सकते हैं। आप स्लाइड में मिट्टी की ईंट की वास्तुकला और पत्थर की विभिन्न स्थापनाओं के प्रमाण देख सकते हैं। कांस्य युग के अंत में यहां सबसे नीचे, हमने धातु विज्ञान के लिए एक पिघलने वाली स्थापना की खोज की।

तो, आप उन परतों को देख सकते हैं जो विभिन्न समयावधियों से समन्वय करती हैं। यहाँ उत्तरकालीन कांस्य युग बना हुआ है, लौह। और लौह II ढलान पर और ऊपर हैं। लेकिन सामान्य तौर पर, जिस तरह से हम जमीन के एक टुकड़े पर शुरुआत करते हैं वह 5 गुणा 5 मीटर के वर्ग का नक्शा बनाना है और फिर धीरे-धीरे परत दर परत नीचे जाना शुरू करते हैं, 1 मीटर का हिस्सा छोड़ते हैं, जो अनिवार्य रूप से एक रिटेनिंग दीवार है। वर्गों को परिभाषित करें।

लेकिन यह हमें विभिन्न स्ट्रेटिग्राफिक परतों की पहचान करने पर कुछ नियंत्रण भी देता है, क्योंकि पुरातत्व एक विनाशकारी विज्ञान है। आप सामग्री हटा रहे हैं, उसे सूचीबद्ध कर रहे हैं, लेकिन आप उसे वैसे ही वापस नहीं रख सकते जैसे आपने उसे पाया था। तो यह एक विनाशकारी विज्ञान है।

एक बार जब आप वह जानकारी हटा देते हैं, तो आप वापस नहीं जा सकते। और इसलिए उत्खनन में जो चीज़ बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है वह है रिकॉर्डिंग, रिकॉर्डिंग के तरीके। इसलिए,

जैसे-जैसे हम इन 5-मीटर वर्गों के भीतर परत-दर-परत नीचे जाते हैं, कुछ लोग 10 गुणा 10-मीटर वर्ग बना लेंगे।

उत्खनन की विभिन्न तकनीकें हैं। लेकिन हम बहुत सावधानी से नीचे जाते हैं। इसलिए कभी-कभी, यदि आधुनिक कृषि गतिविधि, वगैरह-वगैरह से बहुत अधिक ऊपरी मिट्टी होती है, तो हम अधिक तेजी से आगे बढ़ सकते हैं और बड़े उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं।

लेकिन जैसे-जैसे हम भौतिक अवशेषों में उतरते हैं, हम अपने प्राथमिक उपकरण ट्रॉवल, राजमिस्त्री के ट्रॉवल के साथ बहुत सावधानी से आगे बढ़ते हैं, एक बार में केवल मिलीमीटर नीचे जाकर खुरचते हैं, ब्रश से सफाई करते हैं, और फिर उस मिट्टी के साथ जो हमने इकट्ठा की है, जब यह सबसे अधिक सावधानी से किया जाता है, तो इसे किसी भी मिट्टी के बर्तन के टुकड़े, किसी जानवर की हड्डी के अवशेष, या किसी वस्तु, कलाकृतियों को अलग करने के लिए एक स्क्रीन या अलग-अलग आकार की छलनी के माध्यम से रखा जाएगा। हम उस मिट्टी में से कुछ लेंगे, इसे एक बाल्टी में डालेंगे, पानी डालेंगे, और कार्बनिक पदार्थ सतह पर तैरने लगेंगे, जिन्हें फिर मौजूद विभिन्न पौधों की प्रजातियों की पहचान करने के लिए माइक्रोस्कोप के तहत जांच की जा सकती है। इसलिए, कई अन्य पुरातात्विक विधियां हैं जिन्हें हम उस समय लागू कर सकते थे।

लेकिन हम जो कुछ भी खोजते हैं उसे रिकॉर्ड करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। इसलिए, कंप्यूटर के उपयोग के माध्यम से किए गए इस कार्य ने हमारी रिकॉर्डिंग तकनीकों को काफी उन्नत किया है। ज़मीन भेदने वाले राडार के माध्यम से खुदाई करने से पहले ही संरचनाओं का मानचित्रण करने से लेकर, उपग्रह इमेजरी या विमानों से हवाई इमेजरी के माध्यम से हवा से साइटों की पहचान करने तक, जब हम आम तौर पर खुदाई करते हैं तो उसका दस्तावेजीकरण करना।

परंपरागत रूप से, इन्हें रेखाचित्र बनाया जाता था और विभिन्न स्तरों को एक कलाकार द्वारा चित्रित किया जाता था। अब, हम फोटोग्रामेट्री के क्षेत्र में उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली डिजिटल फोटोग्राफी और यहां तक कि तकनीकों का उपयोग करते हैं, जो अंतरिक्ष और समय में विशेष सटीक स्थानों को फोटोग्राफिक रूप से और उन्हें जीपीएस डेटा के माध्यम से स्थानिक रूप से जोड़ने के लिए जीपीएस से जुड़े रेखाचित्रों के साथ तस्वीरों को स्तरित करेगी। जैसे-जैसे आप परत-दर-परत नीचे जाते हैं, 3D मॉडल बनाएँ। हम साइट-वार दृश्य प्राप्त करने के लिए स्थानीय हवाई फुटेज के लिए ड्रोन का भी उपयोग करेंगे।

इसलिए रिकॉर्डिंग बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ लोग वीडियो का भी उपयोग कर रहे हैं क्योंकि हम अभी इसमें संलग्न हैं। जैसे-जैसे आप नीचे जा रहे हैं, आपको प्रक्रिया की एक मार्मिक तस्वीर मिल रही है।

इसलिए रिकॉर्डिंग बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। अगला चरण पत्थरों, हड्डियों, बर्तनों, सामग्री और जैविक अवशेषों का विश्लेषण है। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, यह वनस्पति अवशेषों, चिड़ियाघर पुरातत्व अवशेषों, डीएनए अध्ययन और आइसोटोप अध्ययनों में कठिन विज्ञान के अनुप्रयोग में काफी परिष्कृत हो गया है।

फिर हम विशिष्ट कलाकृतियों या डेटा के बड़े समूहों को भी ले सकते हैं और यह पता लगा सकते हैं कि सादृश्य के सिद्धांत के आधार पर नृवंशविज्ञान लेंस के माध्यम से ये कैसे अर्थ ले सकते हैं। यदि हमें कोई कलाकृति मिलती है, तो उस कलाकृति का उपयोग किस लिए किया गया था? मुझे अक्सर द लिटिल मरमेड का वह दृश्य याद आता है जहां नायिका सतह से अलग-अलग चीजें इकट्ठा करती है और उसके पास एक कांटा होता है। और मैं भूल गया कि वह इसे क्या कहती है, लेकिन वह अपने बालों को कांटे से घुमाती है, यह सोचकर कि यह कांटे का कोई सौंदर्य बाल उत्पाद है।

लेकिन हम सभी जानते हैं कि आप कांटे का उपयोग इस तरह नहीं करते हैं। इसलिए कभी-कभी हमारा अनुमान गलत भी हो सकता है। लेकिन हम वहां जो करते हैं, कभी-कभी वह हमारी मदद कर सकता है, वह है आज के पारंपरिक समाजों को देखना जो कई बार उन्हीं तकनीकों का उपयोग करते हैं जो प्राचीन दुनिया में मौजूद थीं।

और ये बड़े चित्र संरचनाओं, सामाजिक संरचनाओं के संदर्भ में हो सकते हैं, विशेष रूप से एक निश्चित प्रकार के मिट्टी के बर्तन को कैसे बनाया और जलाया जाता है, इसके विवरण के संदर्भ में हो सकता है। इसलिए, सादृश्य के सिद्धांत पर, इसे कभी-कभी नृवंशविज्ञान कहा जाता है। इसमें कभी-कभी एक प्रायोगिक घटक शामिल हो सकता है।

जैसा कि मैंने बताया, मैं जानवरों की हड्डियों के साथ काम करता हूं। मुझे कसाइयों, किसानों और शिकारियों से पूरे जानवर और मांस के बड़े टुकड़े प्राप्त हुए हैं, और मैं कुछ कसाई प्रथाओं में संलग्न हो सकता हूं यह देखने के लिए कि हड्डी पर कौन से कट के निशान बचे हैं या मांस के विशेष टुकड़ों की तुलना कट के विभिन्न आइकनोग्राफिक प्रतिनिधित्व से कर सकता हूं। दीवार में मांस का चित्रण, इत्यादि। इसलिए, विश्लेषण चरण में हमारे पास कई अलग-अलग उपकरण हैं।

अंतिम चरण, और कई मायनों में, सबसे महत्वपूर्ण चरण और जिससे हमारे क्षेत्र में हममें से कई लोगों को समस्या है, वह प्रकाशन चरण है। और यह सारा डेटा जो पुरातत्वविदों द्वारा एकत्र किया गया है, उसके प्रकाशित होने तक केवल कुछ ही लोगों को पता है। प्रिंट में प्रकाशित या अधिक से अधिक डिजिटल रूप से प्रकाशित और जब यह सबसे अच्छा हो जाए, तो ओपन-सोर्स डेटा के रूप में डिजिटल रूप से प्रकाशित किया जाए ताकि लोग देख सकें कि इस विशाल मात्रा में डेटा से एकत्र किए गए परिणाम क्या हैं और उन सबसे परिचित लोगों द्वारा संश्लेषित किए गए हैं इसके संदर्भ में लेकिन फिर इसे दुनिया के व्याख्यात्मक समुदाय के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराना।

इसलिए, प्रकाशन प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंतिम हिस्सा बन जाता है। यह बड़ी तस्वीर, भूगोल और फिर इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में है कि हम वास्तव में क्षेत्र में क्या करते हैं। और फिर एक और महत्वपूर्ण टुकड़ा है जो फिर से ऐतिहासिक भूगोल जैसा हो सकता है, जिस पर हम एक पूरी व्याख्यान श्रृंखला कर सकते हैं।

लेकिन यहां, इसे बहुत संक्षेप में उल्लेख करने के लिए, हमारे निपटान में एक और उपकरण जब हम ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दुनिया, प्राचीन दुनिया का पुनर्निर्माण करने का लक्ष्य रखते हैं, तो उस संदर्भ में बाइबिल के ग्रंथों को पढ़ने के लिए प्राचीन निकट से डेटा का समावेश होता है। पूर्वी ग्रंथ और चित्र। प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथ और चित्र। तो, यह, पुरातत्व की तरह, एक बहुत ही हालिया प्रयास है क्योंकि इनमें से कई भाषाओं को अपेक्षाकृत हाल ही में समझा गया है।

इसलिए, यदि आप मिस्र के बारे में सोचते हैं, तो आप सभी परिचित हैं, मुझे यकीन है कि प्रसिद्ध रोसेटा स्टोन से जिसमें मिस्र के दो रूप और ग्रीक का एक रूप और मिस्र का एक रूप शामिल है, इसलिए एक डेमोटिक, घसीट रूप है, और दूसरी मिस्र की चित्रलिपि है। अब हमारे युग की पहली कुछ शताब्दियों में चित्रलिपि लेखन लुप्त हो गया था। लोगों ने चित्रलिपि लिपि में लिखना बंद कर दिया।

और यह भाषा दुनिया से लुप्त हो गई। अब, यूनानियों ने आगे बढ़ना जारी रखा, इसलिए ग्रीक की तुलना करके, विशेष रूप से ग्रीक में नामों की, उन नामों के साथ जो मिस्रियों में कार्टूचे द्वारा अलग किए गए थे, एक सर्कल द्वारा, वे कॉप्टिक की बोली जाने वाली भाषा का उपयोग करके उनकी मदद करने में पीछे की ओर काम करने में सक्षम थे अंततः चित्रलिपि लिपि को समझने के लिए विशेष ध्वनियाँ और शब्दावली। जब यह किया गया, तो हजारों-लाखों ग्रंथ जो पहले अपठनीय थे, अब दुनिया भर के विद्वानों के पास उपलब्ध हैं।

तो, यह केवल 1822 में चैम्पोलियन के साथ हुआ था। इसलिए, रोसेटा स्टोन नेपोलियन द्वारा पाया गया था और 1799 में मिस्र में उनके संघर्ष में अंग्रेजों से हार गया था, और फिर इसे समझने की दौड़ में अधिकांश लोग 1822 में चैम्पोलियन को श्रेय देंगे, हालाँकि इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं। कुछ दशकों बाद, सर हेनरी राल्स्टन ने मेसोपोटामिया की भाषाओं के साथ भी ऐसा ही किया, बेहिस्टुन शिलालेख पर एक रस्सी पर लटकते हुए और लिखते हुए और पुरानी फ़ारसी और अक्कादियन के लिए उपयोग की जाने वाली क्यूनिफॉर्म लिपि के बीच संबंध बनाते हुए।

और एक बार जब कीलाकार लिपि टूट जाती है, तो हमारे पास अक्कादियन भाषा होती है, अक्कादियन, चाहे वह असीरियन हो या बेबीलोनियन। बाद में, हमारे पास हिती है, जो क्यूनिफॉर्म लिपि का उपयोग करती है, लेकिन वास्तव में यह एक बहुत अलग भाषा है, एक इंडो-यूरोपीय भाषा। लेकिन अब आपके पास प्राचीन दुनिया के विशाल अभिलेखों, दीवारों पर शिलालेखों का विस्फोट है।

हमारे पास कब्रों और महलों से मिस्र की कल्पना की छवियां भी हैं। इसी तरह, मेसोपोटामिया, यह सब 19वीं शताब्दी के मध्य में पुरातत्व के इस विस्फोट के साथ जुड़ा हुआ है। तो, यह भीड़ है और डेटा का यह विस्फोट है।

हम इसमें जोड़ सकते हैं। मैंने हिती का उल्लेख किया है, लेकिन उत्तर-पश्चिमी सेमेटिक, विभिन्न उत्तर-पश्चिमी सेमेटिक भाषाओं और बोलियों का भी उल्लेख किया है। इसलिए फोनीशियन, मोआबाइट, हिब्रू, अरामी और उगारिटिक एक क्यूनिफॉर्म लिपि का उपयोग करते हैं, लेकिन यह

प्राचीन इज़राइल के उत्तर में एक वर्णमाला भाषा है जिसमें 13 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के ग्रंथ हैं जिनमें बाल और अशेरा जैसी आकृतियों का उल्लेख है और पौराणिक रूपांकनों से जुड़ा हुआ है जो हम देखते हैं बाइबिल ग्रंथों के भीतर बातचीत। तो, हमारे पास ये सभी पाठ हैं, 1800 के दशक के अंत और 1900 के प्रारंभ में ग्रंथों की यह बाढ़।

जब हम प्राचीन विश्व के इतिहास, संस्कृति और सामाजिक संरचनाओं को शामिल करना चाहते हैं, तो हमारे पास पुरातत्व है, लेकिन यह इन शिलालेखों जैसे पुरातात्विक जांचों में खोजों द्वारा तैयार किया गया है। तो, अब हमने एक संक्षिप्त परिचय प्रदान किया है, और फिर इस व्याख्यान में, हमने प्राचीन विश्व के हमारे जुड़ाव में प्रयुक्त कार्यप्रणाली के बारे में बात की है। और अब, हम इसके संदर्भ में प्राचीन इज़राइल की कहानी की ओर मुड़ने जा रहे हैं।

इसलिए, जब हमारे पास ये उपकरण उपलब्ध हैं, जब हम विशेष रूप से पुरातात्विक लेंस से देख रहे हैं और समझ रहे हैं कि बाइबिल क्या है, पुरातत्व क्या है, ये चीजें पूरक, स्पष्ट करने वाले तीन सी के हमारे ग्रिड में एक साथ कैसे चलती हैं, और जटिल? तो, यहीं हम अगले की ओर मुड़ेंगे।

यह पुराने नियम में पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जोनाथन ग्रीर हैं। यह सत्र 2, पुरातात्विक पद्धतियाँ है।